सामाजिक स्तरीकरण का स्वरूप

Md. Jamil Akhtar

सामाजिक स्तरीकरण विभेदीकरण की एक प्रक्रिया है जिसमें समाज के विभिन्न सदस्य एक पद्सौपानिक व्यवस्था में उच्च एवं निम्न पदों पर स्थित रहता है। सामाजिक स्तरीकरण समाज के लोगों का असमान प्रतिष्ठा वाले समूहों में विभाजन है, जो सामाजिक अन्तःक्रिया में एक दूसरे को ऊँचा या नीचा समझकर व्यवहार करते हैं। स्तरीकरण का आधार सामाजिक पद है जिसके साथ सामाजिक व्यवस्था के अंतर्गत कम या अधिक सम्मान जुड़ा होता है। प्रस्तुत शोध निबंध 'सामाजिक स्तरीकरण का स्वरूप' में सामाजिक स्तरीकरण के अर्थ को स्पष्ट करते हुए इसके मुख्य चार स्वरूप क्रमशः दासता, जागीरें, जाति–व्यवस्था तथा वर्ग–व्यवस्था पर विचार करते हुए बन्द स्तरीकरण एवं खुला हुआ स्तरीकरण तथा सामाजिक स्तरीकरण के प्रकार्य और अप्रकार्य को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है।